# बीपीपीआइएमटी : तकनीकी शिक्षा का एक बेहतरीन केंद्र होने का दावा

गुणवत्तापरक तकनीकी शिक्षा के लिए शिक्षाविद स्व. बीपी पोद्दार ने बीपी पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (बीपीपीआइएमटी) की स्थापना 1999 में की थी. मॉडर्न, एक्सेसिबिल, और रिसर्च ओरियंटेड टीचिंग-लर्निंग प्रॉसेस से विद्यार्थियों को क्वालिटी एजुकेशन देना संस्थान का लक्ष्य बताया जाता है. मकाऊट से एफिलियेटेड, एआइसीटीइ से मान्यता प्राप्त व बीपी पोद्दार फाउंडेशन फॉर एजुकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे इस संस्थान का दावा है कि उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा प्रणाली के जरिये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का समग्र विकास कर बेस्ट लीडर तैयार करना इसका लक्ष्य है. यहां डब्ल्यूबीजेइइ के सफल परीक्षार्थी ही ज्वाइंट एंट्रेंस बोर्ड, पश्चिम बंगाल की सेंट्रल काउंसेलिंग के बाद रैंक के आधार पर सीट अलॉटमेंट होने पर एडमिशन पाते हैं. भारती जैनानी ने बीपीपीआइएमटी की प्रिंसिपल प्रो (डॉ) सुतपा मुखर्जी से बात की. पेश है बातचीत का प्रमुख अंश.

**सवाल : बंगाल में कई इंजीनियरिंग संस्थान हैं. इनके बीच बीपीपीआइएमटी किस तरह अपनी विशिष्टता बनाये हुए है ?**

प्रो (डॉ) सुतपा मुखर्जी, प्रिंसिपल, बीपीपीआइएमटी

**जवाब :** हमारे संस्थान में अनुभवी व वेल क्वालीफाइड फैकल्टी मेंबर्स हैं. अनुभवी शिक्षकों की समर्पित टीम सही दिशा-निर्देश के साथ विद्यार्थियों को इस तरह तैयार करती है, ताकि वे तमाम कसौटियों पर खरा उतर सकें. एक्सिलेंट शैक्षिक सुविधाओं के साथ ही प्रतिष्ठित इंडस्ट्रियल संस्थानों के साथ इंटर्नशिप की व्यवस्था भी है. उनमें टीसीएस प्रगति प्रोजेक्ट भी शामिल है. एक स्वच्छ व सैनिटाइज्ड कैंपस के सुखद परिवेश में छात्र काफी सुकून महसूस करते हैं. विद्यार्थियों के लिए साल भर ग्रूमिंग क्लासेज के साथ ही वर्कशॉप व इंटरनेशनल एफडीपी आदि की भी व्यवस्था की गयी है. बेस्ट लैब्स, सेमिनार रूम, छात्र-छात्राओं के लिए अलग कॉमन रूम, गेम्स व स्पोर्ट्स के अलावा एनएसएस, लिटरेरी एंड ओरेटर्स फोरम, परफॉरमिंग एंड विजुअल आर्ट्स फोरम की सुविधा है. आइआइटी, खड़गपुर द्वारा डेवलप्ड सॉफिस्टिकेटेड लैंग्वेज लैब्स व सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम की भी सुविधा उपलब्ध कराया जाता है. छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग एकोमोडेशन की सुविधाएं भी मौजूद हैं. पैंडेमिक परिस्थिति में अभी प्रथम लॉकडाउन से ही विद्यार्थियों की डिजिटल क्लासेज हो रही हैं.

**सवाल : बीपीपीआइएमटी का विजन-मिशन क्या है?**

**जवाब :** इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी बेस्ड शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यपरक व विश्वस्तरीय शिक्षा के साथ एक अग्रणी संस्थान के रूप में उभरना ही हमारा विजन है. विद्यार्थियों को मॉर्डर्न, एक्सेसिबिल, और रिसर्च ओरियंटेड टीचिंग-लर्निंग प्रॉसेस के जरिये गुणवत्तापरक शिक्षा देना ही संस्थान का लक्ष्य है. इसके लिए विद्यार्थियों में उद्यमिता से जुड़ी दक्षता पैदा करने के साथ ही स्टूडेंट-फ्रेंडली एकेडमिक एनवायरमेंट तैयार किया गया है.

**सवाल : आपके संस्थान में किन-किन कोर्सेज में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है ?**

**जवाब :** अंडरग्रेजुएट डिसिप्लिन्स में कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में चार साल के बीटेक कोर्स की सुविधा उपलब्ध है. इसके अलावा पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कंप्यूटर एप्लीकेशंस में मास्टर्स (एमसीए) की भी सुविधा है.

**सवाल : और आपके क्वालिफाइड स्टूडेंट्स के प्लेसमेंट के लिए क्या है ?**

**जवाब :** हमारे पास एक बहुत ही दक्ष प्लेसमेंट टीम है. इसके जरिये बीपीपीआइएमटी ने प्लेसमेंट का एक्सेलेंट रिकार्ड बनाया है. हमारा संस्थान इस बात के लिए विद्यार्थियों को आश्वस्त करता है कि वे यहां से पढ़ाई करने के बाद अपनी पसंद की जॉब हासिल कर सकते हैं. संस्थान का एक स्वतंत्र ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल है, जो लगातार कॉर्पोरेट जगत की अग्रणी कंपनियों से संपर्क व संवाद बनाये रखता है, ताकि अपने छात्रों को बेस्ट जॉब के लिए अवसर मिल सके. प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को करियर योजना के बाबत अपडेट करने के साथ ही सही करियर गाइडेंस व काउंसेलिंग की सुविधा देता है. स्टूडेंट्स में स्किल डवलपमेंट के साथ ही रोजगार के अवसरों की जानकारी, छात्रों की संवाद दक्षता बढ़ाना, रिसर्च वर्क, प्रोजेक्ट के जरिये उनमें लीडरशिप क्वालिटी विकसित करना भी इस प्लेसमेंट सेल की ही जिम्मेदारी है.

**सवाल : बीपीपीआइएमटी की कोई खास उपलब्धि बतायें, जो उल्लेखनीय हो.**

**जवाब :** बीपीपीआइएमटी को लगातार चार सालों तक स्मार्ट इंडिया हैकाथन अवॉर्ड मिला है. स्मार्ट इंडिया हैकाथन-2020 अवॉर्ड हासिल करने में टीम लीडर सुमन चक्रवर्ती, शुभजीत लाहा, गौतम कुमार, अनामिका चौधरी, श्यामली सरकार और तोर्षा साहा का योगदान रहा. इन विद्यार्थियों ने क्यूआर कोड एप्लीकेशंस, प्रॉब्लम कोड एके12 (एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया) का प्रयोग करते हुए मोबाइल बेस्ड इंवेनटरी मैनेजमेंट सिस्टम डेवलप किया. यह हमारे संस्थान के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रही.

## क्या कहते हैं बीपीपीआइएमटी के चीफ मेंटर

डॉ. सुबीर चौधरी, चीफ मेंटर, बीपीपीआइएमटी

बीपीपीआइएमटी के चीफ मेंटर डॉ. सुबीर चौधरी का कहना है कि संस्थान की स्थापना के समय ही ग्लोबल विजन के साथ बीपीपीआइएमटी को एक अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थान बनाने का मकसद था. वह मकसद आज पूरा हुआ है, क्योंकि हमारे विद्यार्थियों ने एकेडमिक व प्रोफेशनल योग्यता के दम पर संस्थान की एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान है. बीपीपीआइएमटी में नॉलेज व स्किल के अलावा मानवीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा दी जाती है, ताकि हमारे विद्यार्थी बेहतरीन तरीके से समाज को भी अपनी सेवाएं दे सकें. यही हमारी शिक्षा की सफलता व सार्थकता है. कोविड-19 के दौर में अभी डिजिटली क्लासेज व वर्कशॉप की जा रही हैं, इसके लिए भी संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम है.